

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 36] नई दिल्ली, शुक्रवार, करवारी 10, 1978/माघ 21, 1899

No. 36] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 10, 1978/MAGHA 21, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 15-आई टी सी (पी एन)/78

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1978

विषय : स्वतन्त्र लाइसेंस योजना के अन्तर्गत विस्कोस स्टैपल फाइबर का  
आयात—अप्रैल, 1977—मार्च, 1978 के लिए आयात नीति।

मिसिस्ल सं. आई पी सी 3/6/77.—दू. के./भारत अनुरक्षण अनुदान, 1977 के  
अन्तर्गत विस्कोस स्टैपल फाइबर के आयात संबंधित वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक  
सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/78 दिनांक 20 जनवरी, 1978 की ओर ध्यान आकृष्ट  
किया जाता है।

2. स्थीति की पुनरीक्षा करने के पश्चात यह निश्चय किया गया है कि उपर्युक्त  
सार्वजनिक सूचना के जारी होने से पूर्व आयात के लिए जो व्यवस्था है उनमें कोई रुकावट  
न ढाली जाए। तबन्नुसार, ऐसी परीक्षां जिनके पास ऐसे लाइसेंस हैं आंर जो उपर्युक्त

सार्वजनिक रूचना के पैरा 3 के अन्तर्गत आते हैं वे उन्हें पहले की भाँति प्रचालन में ला सकते हैं।

3. सरकार के ध्यान में एसा आया है कि ऐसे बहुत से लाइसेंस धारक जो सार्वजनिक सूचना सं. 84-आई टी सी (पी एन)/77 विनांक 6 अक्टूबर, 1977 के पैरा 2 के अनुसार उपर्युक्त अर्ण पूर्ति लाइसेंस करने के लिए पहले से प्राप्त लाइसेंसों पर ज़रूर वैश और/या पातलवान का पृष्ठांकन कराने के लिए व्यवनवद्ध है उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। इसलिए, वह स्पष्ट किया जाता है कि (अर्थात जहां तक स्थानिक लाइसेंसों का संबंध है) उपर्युक्त पैरा 2 में व्यवस्थित छूट के भेदभाव बिना) ऐसे लाइसेंस धारक लाइसेंस प्राधिकारियों के पास पहुँच हुए अपने आवेदनपत्रों के प्रति आगे लाइसेंस लेने के केवल तभी पात्र होंगे जब तक वे स्वतंत्र लाइसेंस योजना के अन्तर्गत पहले के सभी लाइसेंसों पर पृष्ठांकन नहीं करा लेते। सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/78 दिनांक 20 जनवरी, 1978 के पैरा 2 और 4 को इस सीमा तक आशांकित कर दिया गया समझा जाए।

4. यू. के./भारत अनुरक्षण अनुदान, 1977 के अन्तर्गत लाइसेंस प्रवान करना उन सभी मामलों में जारी रहेगा जिनमें आयात का स्रोत यू. के. है।

का. वै. शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

**MINISTRY OF COMMERCE  
IMPORT TRADE CONTROL**

**Public Notice No. 15-ITC(PN)/78**

New Delhi, the 10th February, 1978

**Subject : Import of Viscose staple fibre under free licensing scheme—  
Import Policy for April 1977—March, 1978.**

**F.No.IPC/3/6/77.**—Attention is invited to the Ministry of Commerce Public Notice No. 6-ITC(PN)/78, dated the 20th January, 1978, regarding import of Viscose staple fibre under UK/India Maintenance Grant, 1977.

2. On a further review of the position, it has been decided not to disturb the arrangements for imports made prior to the issue of the above Public Notice. Accordingly, parties holding such licences and covered by Paragraph 3 of the said Public Notice may continue to operate them as before.

3. It has come to the notice of Government that many a licence holder who was obliged to take action to have the country of origin and/or shipment endorsed on the licences already held by him for securing appropriate credit coverage, in accordance with Para 2 of the Public Notice No. 84-ITC(PN)/77, dated the 6th October, 1977, has not yet taken action to do so. Hence, it is clarified that (i.e. without prejudice to the relaxation provided in Para 2 above in so far as the pending licences are concerned) such a licence holder will be eligible for further licences against applications pending disposal with the licensing authorities, only after he gets such endorsement made against all the licences held by him already under the free licensing scheme. Paras 2 and 4 of the Public Notice No. 6-ITC(PN)/78, dated the 20th January, 1978 shall be deemed to be modified to that extent.

4. Licences will continue to be granted under the UK/India Maintenance Grant, 1977, only, in all cases where the source of import is the UK.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports and Exports